आई.एस.बी.एन. : 978.93.7029.787.6

वर्ष-3 अंक-29 नवम्बर, 2025

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

# सेवा पथ

## मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

**Editors :**

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)
Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 36

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

**Published by :**

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

# पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना मेरे लिए नए अवसरों और नई संभावनाओं की शुरुआत था। बी.एससी. मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी की छात्रा के रूप में जब मैं पहली बार विश्वविद्यालय आई, तो मेरे मन में नए माहौल को समझने की उत्सुकता और अपने व्यक्तित्व को विकसित करने की इच्छा थी। ओरीएंटेशन कार्यक्रम में जब राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी मिली, तब मुझे एहसास हुआ कि एन.एस.एस. केवल एक छात्र इकाई नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक सेवा और समग्र व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त मंच है। इसी सोच के साथ मैंने एन.एस.एस. से जुड़ने का निर्णय लिया और यही कदम आगे चलकर मेरे जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि Pre RDC Camp—Rd पहुँचने का आधार बना।

एन.एस.एस. से जुड़ने के बाद मुझे कई सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला, जिनमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, पौधारोपण, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम तथा विभिन्न सेवा कार्य शामिल थे। इन सभी कार्यों ने मेरे भीतर टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को मजबूत किया। मैं हर कार्यक्रम में सीखने और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रही।

मेरी इस यात्रा में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे सर का मार्गदर्शन सबसे महत्वपूर्ण रहा। हमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने का हौसला देते हैं। उनका विश्वास और प्रोत्साहन हमारे लिए किसी ताकत से कम नहीं है। वे हर छोटी–सी उपलब्धि में भी खुशी महसूस करते हैं और हमें परिवार की तरह समर्थन देते हैं। उनकी प्रेरणा ही हमें मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा करती है।"

वे अनुशासनप्रिय, प्रेरणादायक और सहयोगी स्वभाव के अधिकारी हैं। समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना, विद्यार्थियों की क्षमताओं को पहचानना, सही दिशा में प्रोत्साहित करना और हर कार्यक्रम का उत्कृष्ट नेतृत्व करना। यह उनकी सबसे बड़ी विशेषताएँ हैं। सर ने मुझे Pre RDC Camp की पूरी प्रक्रिया समझाई, चयन से लेकर ट्रेनिंग तक हर चरण में प्रेरित किया और हमेशा कहते रहे कि "कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।" उनका मार्गदर्शन वास्तव में मेरी उपलब्धि की नींव बना।

एक दिन कार्यक्रम अधिकारी ने घोषणा की कि इस वर्ष Pre RDC Camp के लिए चयन प्रक्रिया प्रारम्भ होने वाली है। यह सुनकर मेरे भीतर उत्साह के साथ–साथ एक सकारात्मक चुनौती उठ खड़ी हुई। मैंने निर्णय लिया कि मैं पूरे मन, अनुशासन और समर्पण के साथ तैयारी करूँगी। इसके बाद प्रतिदिन परेड की प्रैक्टिस, कमांड का अभ्यास, फिटनेस ट्रेनिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुति की तैयारी और समय–पालन का अभ्यास मेरे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया। चयन की विभिन्न प्रक्रियाओं–ड्रिल, शारीरिक फिटनेस, व्यक्तित्व परीक्षण और कमांड– को पार करने के बाद जब मेरा चयन Pre RDC Camp के लिए हुआ, तो वह क्षण मेरे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण पल था।

Pre RDC Camp ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में आयोजित हुआ, जहाँ देश के विभिन्न राज्यों और विश्वविद्यालयों से आये चयनित स्वयंसेवक शामिल थे। कैम्प में पहुँचते ही सबसे पहले रजिस्ट्रेशन होता है, कमरा आवंटित किया जाता है, और evening drill के साथ दिन समाप्त होता है। अगले दिन से वास्तविक प्रशिक्षण प्रारम्भ होता है। यहाँ समय–पालन सर्वोच्च नियम है– सुबह निर्धारित समय पर जगना, शारीरिक अभ्यास, समूह दौड़, एकत्रण, योग, परेड, स्क्वाड ड्रिल, कमांड अभ्यास, नाश्ता, कक्षा सत्र, अध्ययन, दोपहर भोजन, पुनः अभ्यास, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, शाम की परेड और रात को दिनभर की समीक्षा करना कि पूरा कार्यक्रम अत्यंत अनुशासन और योजना के साथ चलता है।

कैम्प में सीनियर और कार्यक्रम अधिकारी हमें परेड की बारीकियाँ, कमांड की स्पष्टता, चाल में समानता, टीम स्पिरिट और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण देते हैं। कई बार कठिन परिस्थितियों में भी समय पर परेड ग्राउंड पहुँचना होता है, जहाँ शारीरिक और मानसिक क्षमता दोनों की परीक्षा होती है। परेड अभ्यास के बाद दिनभर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए अलग–अलग राज्यों के विद्यार्थी अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों की तैयारी करते हैं। यह गतिविधियाँ टीमवर्क, एकता और सांस्कृतिक विविधता का वास्तविक अनुभव कराती हैं।

सात से नौ दिनों की निरंतर गतिविधियों के बाद नौंवे और दसवें दिन परेड मूल्यांकन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति का अंतिम चयन होता है। पूरे कैम्प के दौरान अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रीय एकता, समय–पालन और आत्म–नियंत्रण जैसी विशेषताओं को विकसित करने पर विशेष बल दिया जाता है। Pre RDC Camp वास्तव में स्वयंसेवकों को देश की विविधता, सेवा भावना और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने वाला अद्वितीय मंच है।

कैम्प के अंतिम दिन PI (Personality Interview) होता है, जिसमें स्वयंसेवकों की परेड, कमांड, ज्ञान, आत्मविश्वास, राष्ट्रीय मुद्दों की समझ, व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। उसके बाद चयनित स्वयंसेवकों की घोषणा होती है, जो आगे State Level RD Camp और फिर Delhi Republic Day Parade Camp में भाग लेने का अवसर प्राप्त करते हैं। अंतिम दिन सभी विद्यार्थी अपने–अपने घरों के लिए प्रस्थान करते हैं, लेकिन अपने साथ अनुभव, अनुशासन और सीखों का एक अनमोल खजाना लेकर जाते हैं।

जब मैं इस पूरी यात्रा को देखती हूँ – एन.एस.एस. से जुड़ने के पहले दिन से लेकर Pre RDC Camp RD समझ आता है कि यह उपलब्धि मेरे निरंतर प्रयास, समर्पण, अनुशासन और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे सर के मार्गदर्शन का परिणाम है। इन्होने हमेशा हमें सही दिशा दिखाते हैं। उनका मार्गदर्शन, अनुशासन और सकारात्मक सोच हमें हर गतिविधि में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती है। वे न केवल अच्छे नेतृत्वकर्ता हैं, बल्कि एक सच्चे प्रेरणास्रोत भी हैं, जो हमेशा हमारे व्यक्तित्व विकास और टीम वर्क पर ध्यान देते हैं।" एन.एस.एस. ने मुझे व्यक्तित्व विकास का वह अवसर दिया जो शायद किसी और कार्यक्रम में नहीं मिलता। इसने मेरे भीतर नेतृत्व, समय–प्रबंधन, सामाजिक जिम्मेदारी, फिटनेस और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को गहराई से स्थापित किया। Pre RDC Camp ने मेरे जीवन में नई ऊर्जा जगाई है। इसने मुझे यह विश्वास दिया कि यदि हम अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें और लक्ष्य की दिशा में मेहनत के साथ आगे बढ़ें, तो सफलता अवश्य मिलती है। मेरा अगला लक्ष्य है कि मैं त्मचनइसपब क्ंल च्ंतंकम ब्ंउच दिल्ली में अपने विश्वविद्यालय और अपने राज्य का गौरव बढ़ाऊँ। एन.एस.एस. ने मुझे सिखाया है कि सेवा, अनुशासन और नेतृत्व ही सच्चे अर्थों में जीवन को सार्थक बनाते हैं।

**– सोनाली तिवारी**

**स्वयंसेविका**

# राष्ट्रीय सेवा योजना

## शोध अभिवृति व्याख्यान

## शिवाजी इकाई

शोध अभिवृति व्याख्यान में स्वयंसेविको को शोध की गुणवत्ता पर जागरूक करते डॉ. अनुराग श्रीवास्तव

**दिनांक : 01 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (शिवाजी इकाई) द्वारा "शोध पद्धति व्याख्यान श्रृंखला (Research Methodology Lecture Series) के अंतर्गत अतिथि व्याख्यान विश्वविद्यालय के अकादमिक ब्लॉक में आयोजित किया गया जिसमें एम.एस.सी. विद्यार्थियों सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक, शोधार्थी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

व्याख्यान का विषय Measuring Burden of Disease with Odds and Probability (रोग के भार का मापन ऑड्स और प्रायिकता के माध्यम से) रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य, गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं अनुसंधान केंद्र, गोरखपुर ने Burden of Disease (रोग–भार) की अवधारणा को सरल, वैज्ञानिक और उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

उन्होंने बताया Odds Ratio और Probability Model जैसे सांख्यिकीय उपकरण स्वास्थ्य अनुसंधान में डेटा विश्लेषण और परिणामों की व्याख्या को अधिक सटीक एवं प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान में गणितीय मॉडलिंग और सांख्यिकीय पद्धतियों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इन मॉडलों की सहायता से रोग की संभावना (Probability of Disease) का सटीक आकलन किया जा सकता है, जो स्वास्थ्य नीति निर्माण, रोग नियंत्रण तथा निवारण संबंधी रणनीतियों के निर्धारण में सहायक सिद्ध होता है। डॉ. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसी भी अनुसंधान की सफलता सही शोध पद्धति, सटीक डेटा संग्रहण और वैज्ञानिक विश्लेषण पर निर्भर करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे शोध में नवाचार और गणितीय दृष्टिकोण अपनाएँ, जिससे समाज के समक्ष आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक आधार पर किया जा सके।

व्याख्यान के दौरान उन्होंने विभिन्न शोध अध्ययनों के उदाहरणों के माध्यम से व्कके और Probability के व्यावहारिक उपयोग को स्पष्ट किया तथा विद्यार्थियों के जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक एवं सहायक आचार्य सांख्यिकी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'Research Methodology Lecture Series" की औपचारिक शुरुआत इसी व्याख्यान से की गई है।

उन्होंने कहा कि इस श्रृंखला के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को शोध पद्धति से संबंधित किसी विशिष्ट विषय पर व्याख्यान आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी सम्मिलित होकर शोध एवं नवाचार से जुड़ी अवधारणाओं पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध की दिशा में प्रेरित करना, उन्हें नए विचारों, विधियों और विश्लेषणात्मक सोच से जोड़ना तथा विश्वविद्यालय में एक सशक्त शोध संस्कृति (Research Culture) का विकास करना है।

डॉ. दूबे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना (शिवाजी इकाई) निरंतर ऐसे आयोजन करती रहेगी, जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक, शोध एवं सामाजिक विकास के लिए प्रेरक सिद्ध हों।

राष्ट्रीय सेवा योजना (शिवाजी इकाई) के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यान श्रृंखला विद्यार्थियों के शोध कौशल, अकादमिक विकास और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने

कहा कि शोध पद्धति की यह पहल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सृजनात्मक एवं शोधामुखी बनाएगी। विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। सभी ने यह माना कि ऐसे आयोजन शोध कार्य में नई दिशा प्रदान करते हैं और जटिल विषयों को सरल एवं व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर देते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों कृ नर्सिंग, पैरामेडिकल, चिकित्सा विज्ञान, संकाय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहें।

## एकदिवसीय शिविर

## पारिजात इकाई

एकदिवसीय शिविर में ग्रामीणों को जागरूक करते हुए स्वयंसेवक

**दिनांक : 02 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की पारिजात इकाई (कृषि संकाय) द्वारा डॉ आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में ग्राम सभा सिकटौर में द्वितीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जन–जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित करना रहा।

इस शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जन–जागरूकता अभियान चलाया साथ ही, गांव में स्वच्छता जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने नारों और पोस्टरों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एक तरफ जहां जागरूकता रैली से ग्राम वासियों में उत्साह देखने को मिला वहीं स्वयंसेवकों ने पोस्टरों तथा बैनर के माध्यम से ग्रामीणों को प्रेरित करने का प्रयास किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह ग्रामीण समाज के स्वास्थ्य और समृद्धि की नींव है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना समाज का विकास अधूरा है, इसलिए युवाओं को महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों को ऐसे जनसेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में अखिलेश चौरसिया, अक्षय पांडेय, तेजस राज, श्रद्धा सिंह, अंजलि सिंह, अंकिता कुशवाहा, विनायक मिश्रा, मिसबाहुल रिजवान, अंकित सिंह सहित पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
पारिजात इकाई (कृषि संकाय)

पंचायत भवन
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर
पारिजात इकाई
कृषि संकाय
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना
पारिजात इकाई (कृषि संकाय)
एकदिवसीय शिविर

## पूर्व गणतन्त्र दिवस परेड शिविर- २०२६

## आर्यभट्ट इकाई

पूर्व गणतत्र दिवस परेड शिविर में चयनित स्वयंसेवकों के साथ प्राचार्यगण

**दिनांक : 04 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका सुश्री सोनाली तिवारी एवं माता शबरी इकाई के स्वयंसेवक श्री निखिल प्रकाश पाण्डेय का चयन भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड प्रशिक्षण शिविर हेतु हुआ है। यह शिविर आई.टी.एम विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में आयोजित किया जा रहा है। दोनों चयनित स्वयंसेवक आज विश्वविद्यालय परिसर से ग्वालियर के लिए रवाना हुए, जहाँ वे कल से प्रारंभ हो रहे शिविर में भाग लेंगे। यह चयन विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण पूर्वांचल क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय है।

फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने इस सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "ऐसी उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय की अनुशासनशील, समर्पित एवं उत्कृष्ट शिक्षण परंपरा का प्रमाण हैं, जो विद्यार्थियों को केवल अकादमिक श्रेष्ठता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा की भावना से भी प्रेरित करती हैं।"

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने कहा कि "विश्वविद्यालय परिवार को गर्व है कि हमारे स्वयंसेवक राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए हैं। यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि संस्थान की उत्कृष्ट परंपरा, मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।"

इसी क्रम में डॉ. चंद्र शेखर मूर्ति, अधिष्ठाता, चिकित्सा विज्ञान संकाय ने कहा कि "यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है। दोनों स्वयंसेवक अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।"

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना ने कहा कि "स्वयंसेवकों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना और अनुशासन का प्रतीक है।"

दोनों चयनित स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। दोनों स्वयंसेवकों ने अपने कार्य, नेतृत्व क्षमता एवं उत्कृष्ट व्यक्तित्व से राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल आदर्श "सेवा, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति" को मूर्त रूप प्रदान किया है।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय एवं श्री अनिल कुमार पटेल, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं स्वयंसेवकों ने दोनों चयनित स्वयंसेवकों को Pre Republic Day Camp-2026 चयन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

विश्वविद्यालय परिसर में इस अवसर पर उत्साह एवं गर्व का वातावरण व्याप्त रहा, और समस्त प्राध्यापक वर्ग ने इसे विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता और विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बताया।

यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि यह इस तथ्य का भी प्रमाण है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों में नेतृत्व, सेवा भावना एवं राष्ट्रप्रेम के संस्कारों का निरंतर संवर्धन कर रहा है, जिससे वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय
योजना

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
युवा कार्यक्रम विभाग
आई.टी.एम. विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2026
दिनांक - 05 नवंबर, 2025 से 14 नवंबर, 2025
राष्ट्रीय सेवा योजना
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ITM UNIVERSITY GWALIOR
"CELEBRATING DREAMS"
ITM UNIVERSITY GWALIOR • MP • INDIA
Government of India
Ministry of Youth Affairs & Sports
मध्य क्षेत्र
CENTRAL ZONE
रासेयो पूर्व-गणतंत्र दिवस परेड शिविर
NSS PRE-REPUBLIC DAY PARADE CAMP
GWALIOR • 05 - 14 NOVEMBER 2025

# वन्दे मातरम् विचार संगोष्ठी

## आर्यभट्ट इकाई

वंदे मातरम विचार संगोष्ठी में अपने विचार रखती स्वयंसेविका

**दिनांक : 07 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत जीवन एवं स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष विचार संगोष्ठी एवं सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी का विषय था कृ "वन्दे मातरम् का गायन एवं उसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व"। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों एवं प्राध्यापकों ने एक स्वर में भागीदारी की।

तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय गीत के इतिहास, भावार्थ और सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेविका अन्तिमा श्रीवास्तव एवं काव्य गौतम ने वन्दे मातरम् की रचना, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता संग्राम में उसके प्रेरक योगदान तथा भारतीय एकता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रतीक के रूप में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर जीवन एवं स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डा.) सुनील कुमार श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि "वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं, यह भारतीय आत्मा, एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर हमें अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समर्पण और गौरव की भावना को पुनः जागृत करने का संदेश देता है।"

कार्यक्रम की संयोजक एवं आर्यभट्ट इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐसे आयोजन स्वयंसेवकों में सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रप्रेम एवं सांस्कृतिक चेतना को प्रबल करते हैं। वन्दे मातरम् की भावना से प्रेरणा लेकर युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकता है।"कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर संकाय के शिक्षकगण, स्वयंसेवक एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय उपस्थिति रही।कार्यक्रम ने परिसर में देशभक्ति एवं सांस्कृतिक एकता का उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर
वंदे मातरम्
का गायन, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर परिचर्चा का आयोजन
राष्ट्रीय सेवा योजना
आर्यभट्ट इकाई

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
वंदे मातरम्

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
वंदे मातरम्

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर
वंदे मातरम्
का गायन, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर परिचर्चा का आयोजन
राष्ट्रीय सेवा योजना
आर्यभट्ट इकाई

## राष्ट्रीय गीत : सामूहिक गायन

## माता अनुसुईया इकाई

वंदे मातरम् का सामुहिक गायन करते माता अनुसुईया इकाई के स्वयंसेवक

दिनांक : 7 नवम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुईया, गार्गी, मैत्रेयी एवं महन्त अवैद्यनाथ इकाइयों तथा नर्सिंग संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आज राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डा. डी. एस. अजीथा, पैरामेडिकल विभागाध्यक्ष डा. रोहित कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव, सुश्री कविता साहनी, सुश्री गरिमा पाण्डेय एवं श्री धीरज कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, स्वयंसेवक तथा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" का सामूहिक गायन सभी की स्वर लहरियों से वातावरण को देशभक्ति से ओत–प्रोत कर गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभावना से जुड़े महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "वन्दे मातरम" केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं एकता का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में अदम्य ऊर्जा एवं देशप्रेम की भावना का संचार किया।

अधिष्ठाता डा. डी. एस. अजीथा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में राष्ट्रप्रेम, एकता और अनुशासन की भावना को सशक्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में राष्ट्रीय मूल्यों को आत्मसात करें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना को विकसित करना है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि "वन्दे मातरम" के माध्यम से हम देश के गौरवशाली इतिहास और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का संदेश पाते हैं।

कार्यक्रम के सफल संचालन में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना का संचार कर उन्हें राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़ना था।

## एकदिवसीय शिविर

## महन्त अवेद्यनाथ इकाई

एक दिवसीय शिविर में स्वास्थ्य प्रशिक्षण के प्रति जागरूक करते स्वयंसेवक

**दिनांक : 08 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवको द्वारा द्वितीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवको द्वारा ग्राम मनीराम में एकदिवसीय शिविर का आयोजन 08 नवंबर को किया गया जिसमे हर उम्र के लोगो का (जिसमे वृद्ध, वयस्क और बच्चे) हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया इस हीमोग्लोबिन परीक्षण मे बहुत विभिन्नताये पाई गई।

कार्यक्रम करने का उद्देश्य लोगों मे स्वास्थ्य को लेकर जागरूक करना और स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती हुई समस्याओं मे कमी लाना है क्योकि बीमारियों की शुरुआत ब्लड से होना और आगे चल के उस समस्या का गम्भिर होना है इस हीमोग्लोबिन परीक्षण से लोगों मे जागरूकता करना था

इस कार्यक्रम मे हीमोग्लोबिन के साथ ब्व्ट जागरूकता कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें CPR जागरूकता कार्यक्रम मे स्वमसेवको द्वारा बताया गया कि लोगों के दिनचर्या मे बढ़ते हुए बदलाव की वजह से हृदय की समस्या चरम पर है ऐसे परिशथीति मे जब किसी की जान खतरे मे हो तो किसी भी स्थान पर वह चाहे गावँ हो, स्कूल हो, शहर या काम करने का स्थान हो हम ब्व्ट के बेसिक प्रोसिजर से किसी की जान बचा सकते हैं।

इस कार्यक्रम के साथ लोगो को उनके स्वास्थ को सही रखने के लिए अपने दिनचर्या को कैसे रखे क्या इक्सर साइज करे, खाने में क्या अवॉइड करे, को लेकर जागरूक भी किया गया ।

यह एकदिवसीय शिविर फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डीन (डा.) डी. एस. अजीथा और प्राचार्य डॉ रोहित् कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे कराया गया।

यह शिविर महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में निम्नलिखित स्वयंसेवको द्वारा सम्पन कराया गया।

जिसमें विजय पाल,मनीष कुमार,निशा,अनुराग, आयुष, सुमित, विनय, अनुराधा, आयुषी चौबे, उर्मिला, निशा यादव, रेनुका, श्वेता, दिव्यांजालि, मोहन, रोहित पटेल, गीतांजलि,चंचल, रामनाथ चौहान इत्यादि सम्मिलित थे।

## खेल प्रतियोगिता

## शिवाजी एवं आर्यभट्ट इकाई

क्रिकेट मैच प्रतियोगिता में शिवाजी एवं आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवक

**दिनांक : 09 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय तथा स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई एवं आर्यभट्ट इकाई के संयुक्त तत्वावधान में मैत्री भाव एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने हेतु 8 ओवर का क्रिकेट मैच आयोजित किया गया।

मैच का शुभारंभ दोनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों श्री अनिल कुमार पटेल (शिवाजी इकाई) एवं डॉ. रश्मि झा (आर्यभट्ट इकाई) के नेतृत्व में किया गया। खेल का उद्देश्य स्वयंसेवकों में सौहार्द, टीम भावना एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना रहा।

टॉस जीतकर आर्यभट्ट इकाई ने पहले क्षेत्ररक्षण (फील्डिंग) करने का निर्णय लिया। शिवाजी इकाई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवरों में 59 रन का प्रतिस्पर्धी लक्ष्य प्रस्तुत किया। जवाब में आर्यभट्ट इकाई की टीम निर्धारित 8 ओवरों में 45 रन ही बना सकी। इस प्रकार शिवाजी इकाई ने यह रोमांचक मुकाबला 14 रनों से अपने नाम किया।

शिवाजी इकाई की टीम का नेतृत्व कप्तान स्वयंसेवक अविनाश एवं उपकप्तान प्रशांत ने किया। टीम में विष्णु अग्रहरि, सिद्धार्थ सिंह, अभिषेक पासवान, कारण भारती, गणेश जायसवाल, श्रवण, तन्मय, रत्नेश, एवं अखंड प्रताप ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

वहीं आर्यभट्ट इकाई की टीम कप्तान नवनीत एवं उपकप्तान विभव के नेतृत्व में खेली, जिसमें राहुल दुबे, राज साहनी, निखिल, स्वस्तिक, श्रीचंद गुप्ता, प्रभात, नितिन, मुकेश एवं कार्तिकेय ने भाग लिया।

मैच के उपरांत कार्यक्रम अधिकारियों ने खिलाड़ियों के उत्साह, अनुशासन एवं टीम भावना की सराहना की तथा कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ स्वयंसेवकों में सहयोग, सहिष्णुता एवं सौहार्द की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

यह आयोजन "मैत्री भाव से खेलो दृ स्वस्थ रहो, एकजुट रहो" के संदेश को सार्थक रूप से प्रस्तुत किया।

## वन्दे मातरम गायन

## माता शबरी इकाई

माता शबरी इकाई के स्वयंसेवकों को वंदे मातरम् के प्रति जागरूक करते डॉ. दिलीप मिश्रा

**दिनांक : 11 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के माता सबरी ईकाई द्वारा "वंदे मातरम्" हमारे राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष की स्मृति" के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बी. फार्मा द्वितीय वर्ष के छात्र हिमांशु राव ने अपने प्रेरणादायक भाषण से की। उन्होंने अपने संबोधन में "वंदे मातरम" के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए "ब्रेन ड्रेन" जैसे समसामयिक मुद्दे पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। हिमांशु ने युवाओं से देश में रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

इसके पश्चात फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के शिक्षक श्री दिलीप मिश्रा जी ने प्रेरणादायक भाषण देते हुए 'वंदे भारत' के वास्तविक अर्थ और उसके राष्ट्रीय महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि "वंदे मातरम" केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत की स्वतंत्रता, एकता और स्वाभिमान का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम के समापन "वंदे मातरम" का सामूहिक गायन कर किया गया जिसमें अनामिका दुबे, रुपांशी मौर्य, अंकिता पांडेय, रिंका पांडेय, और शिवानी यादव ने मधुर स्वर में "वंदे मातरम" का गायन कर उपस्थित सभी को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया।

यह कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी (माता शबरी इकाई) डॉ. अमित उपाध्याय जी के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के शिक्षक श्री प्रवीण कुमार सिंह और श्री दिलीप मिश्रा भी उपस्थित रहें।

# एकदिवसीय शिविर

# शिवाजी इकाई

देवीपुर में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाते शिवा जी इकाई के स्वयंसेवक

**दिनांक : 11 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा ग्राम देवीपुर में एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों के उत्तम स्वास्थ्य परीक्षण, क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकत, महिलाओं के अधिकार व सुरक्षा के प्रति ग्रामवासियों को प्रेरित करना एवं ग्रामीणों का विकास कर ग्राम को सशक्त बनाना रहा।

स्वास्थ्य परीक्षण में 150 ग्रामवासियों के निःशुल्क रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) तथा सामान्य स्वास्थ्य की जांच की गई। एनएसएस स्वयंसेवकों की टीम ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी उचित परामर्श दिया और उन्हे स्वच्छता, संतुलित आहार एवं नशा मुक्ति के विषय में भी अवगत कराया।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण जागरूकता अभियान में एनएसएस स्वयंसेविका काजल सिंह, शिवानी नीलाक्षी पांडेय इत्यादि ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मरक्षा, स्वावलंबन, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की उन्होने शासन द्वारा जारीकी गयी हेल्पलाइन नम्बर 1090 वीमेन पावर, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नम्बर, 112 पुलिस आपात कालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा के बारे में ग्रामवसियों को जानकारी दी।

बताया कि किस प्रकार से हेल्पलाइन नम्बर का उपयोग कर हम अपनी समस्याओं को त्वरित समाधान कर सकते है। स्वयंसेविकाओं ने गाँव में नारी गरिमा, समानता एवं सुरक्षा पर जनजागरूकता रैली निकाली तथा महिलाओं ने आत्मरक्षा के महत्त्व पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जनजागरूकता बढ़ायी।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य उन्मुख कार्यक्रमों के आयोजन की हम विश्वविद्यालय से उम्मीद करते है, इस एकदिवसीय शिविर स्वास्थ्य संवर्धन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी पहल सिद्ध हुआ, जो राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य "स्वयं से पहले समाज" को सार्थक रूप से मूर्त रूप प्रदान करता है

कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल के नेतृत्व में यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल सेवा नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। युवा शक्ति जब सेवा, अनुशासन और संवेदना के साथ कार्य करती है, तब राष्ट्र का उत्थान सुनिश्चित होता है।"

शिविर संचालन स्वयंसेवक अशोक, विष्णु अग्रहरी, अंकिता शर्मा, रामनरेश प्रजापति, अखंड प्रताप सिंह, विवेक राज, प्रशांत जायसवाल, सृष्टि, अन्विषा, तनुश्री, सौम्या पांडेय इत्यादि स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान 5.0
नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन
1090 181 1076 112 1098 102 108
राष्ट्रीय सेवा योजना
योगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
GPS Map Camera
Devipur, Uttar Pradesh, India

GPS Map Camera
Gorakhpur, Uttar Pradesh, India
V97c+3x2, Durgapur, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273007, India

GPS Map Camera
Baijnathpur, Uttar Pradesh, India
V96f+m7f, Baijnathpur, Uttar Pradesh 273007, India

## बाल दिवस

## शिवाजी इकाई

बालदिवस पर व्याख्यान देते डॉ. अखिलेश दुबे

**दिनांक : 14 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस (बाल दिवस) के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान सत्र का विधिवत आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वयंसेवक विष्णु अग्रहरी द्वारा अतिथियों के परिचय के साथ हुआ। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे ने पंडित नेहरू के जीवन, आदर्शों एवं राष्ट्रनिर्माण में उनकी बहुमूल्य भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि नेहरू जी आधुनिक भारत के वास्तविक शिल्पकार थे।

उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और शिक्षा को राष्ट्र की उन्नति का आधार बनाया।

डॉ. दूबे ने कहा कि "नेहरू जी का बच्चों के प्रति स्नेह केवल भावनात्मक नहीं था, बल्कि यह उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम था। वे मानते थे कि आज के बच्चे ही कल के राष्ट्र–निर्माता हैं। इसीलिए उन्होंने शिक्षा, तकनीकी विकास और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की।"

उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक समय में युवा वर्ग को केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और सेवा–भाव जैसी मूलभूत मान्यताओं की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि छै युवाओं को वास्तविक जीवन में सेवा, अनुशासन, सामाजिक दायित्व, टीमवर्क और नेतृत्व का अभ्यास प्रदान करने वाला उत्कृष्ट मंच है।

डॉ. दूबे ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता, शिक्षा प्रसार तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

उन्होंने कहा कि "छोटा–सा सकारात्मक प्रयास भी बड़े परिवर्तन की शुरुआत बन सकता है। नेहरू जी का स्वप्न थाकृएक वैज्ञानिक सोच वाला समृद्ध, सशक्त और प्रगतिशील भारतय और इस स्वप्न को साकार करने में छै स्वयंसेवकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।"

कार्यक्रम में सौम्या पाण्डेय, सृष्टि दूबे, तनुश्री, शिवानी चौबे, आनन्द, श्रवण इत्यादि स्वयंसेवक सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। साथ ही संकाय की ओर से डा. राजीव सक्सेना, डा. तेजस्वनी, डा. अनुपमा ओझा, डा. शालिनी मान एवं डा. अंजन त्रिवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का समापन स्वयंसेविका अंकिता शर्मा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल

खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते आर्यभृत इकाई के स्वयंसेवक

**दिनांक : 14 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा बाल दिवस 2025 के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के डीन डॉ. सुनील कुमार सिंह तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्ण सहभागिता की। गर्ल्स रेस में काजल खड़वार प्रथम, रिया सिंह द्वितीय तथा प्रतिमा सिंह तृतीय रहीं। हील एंड लॉक रेस में नंदिनी सिंह एवं सिमरन प्रजापति ने प्रथम, नम्रता एवं संजना ने द्वितीय तथा मनीषा एवं रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बॉयज रेस में राज सहानी प्रथम, नितिन यादव द्वितीय एवं निखिल पटेल तृतीय स्थान पर रहें। समापन सत्र में डॉ. सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व, शिक्षा के मूल्य तथा सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि "बच्चे देश का भविष्य हैं, और आज की उनकी ऊर्जा ही कल का उज्ज्वल भारत बनाएगी यही बाल दिवस की सच्ची भावना है।"

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा ने प्रतिभागियों के उत्साह एवं अनुशासन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक एवं सृजनात्मक कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

## पोस्टर प्रतियोगिता

## स्वामी विवेकानन्द इकाई

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वामी विवेकानन्द इकाई के स्वयंसेवक

**दिनांक : 15 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च संेटर में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानन्द इकाई द्वारा स्वास्थ्य विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में अधिष्ठाता, चिकित्सा विज्ञान संकाय, डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना केवल शैक्षणिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता और वैज्ञानिक सोच का विकास करते हैं तथा उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य की वास्तविक चुनौतियों को समझने में सक्षम बनाते हैं।"

यह प्रतियोगिता MBBS प्रथम एवं द्वितीय बैच के मध्य आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोग–निरोध, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पोषण तथा स्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित विषयों पर वैज्ञानिक तथ्यों और सामाजिक संदेशों से परिपूर्ण आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में MBBS प्रथम वर्ष में तिश्या सिंह ने प्रथम, शलिनी सिंह ने द्वितीय तथा कविता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि MBBS द्वितीय वर्ष श्रेणी में श्रृष्टि ने प्रथम, आयुष ने द्वितीय तथा कृतिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. गीता गुप्ता (विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग), डॉ. के. आई. किंग (आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान), डॉ. तेजस्वनी एम. (आचार्या, जैव रसायन विज्ञान) तथा डॉ. कौशल किशोर (आचार्य, न्यायालयिक विज्ञान (Forensic Science) उपस्थित रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति का मूल्यांकन वैज्ञानिकता, रचनात्मकता, प्रस्तुतीकरण और सामाजिक उपयोगिता के आधार पर किया।

कार्यक्रम के दौरान One Health Initiative के महत्व पर भी विशेष चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण स्वास्थ्य एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जूनोटिक रोग नियंत्रण, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, पर्यावरणीय चुनौतियों और जनस्वास्थ्य सुरक्षा के लिए "वन हेल्थ" दृष्टिकोण वर्तमान समय की आवश्यकतम रणनीति है।

विद्यार्थियों को समझाया गया कि भविष्य की स्वास्थ्य नीतियाँ इसी समन्वित मॉडल पर आधारित होंगी।

स्वामी विवेकानन्द इकाई का यह आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

यह संपूर्ण कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नितीश कुमार के निर्देशन एवं संयोजन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिनके मार्गदर्शन ने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप प्रदान किया।

ONE HEALTH
ONE HEALTH

NIPAH VIRUS TIMELINE
ONE HEALTH

ONE HEALTH
ONE FALLS, ALL FALL

ONE HEALTH

## नशामुक्ति जागरूकता अभियान

## माता शबरी इकाई

नशामुक्ति जागरूकता पर शपथ ग्रहण करते माता शबरी इकाई के स्वयसेवक

दिनांक : 18 नवम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फार्मेसी विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत "नशा मुक्ति जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी ईकाई के स्वयंसेवकों एवम् विभाग के अन्य छात्रों द्वारा किया गया। इस अवसर पर औषधि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) शशिकांत सिंह उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में फार्मेसी संकाय के शिक्षक श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री दीपक कुमार, श्री पियूष आनंद, श्री शुद्धांशु मिश्रा, श्री शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी, डॉ. अमित उपाध्याय, सुश्री पूजा जायसवाल एवं सुश्री नंदिनी जायसवालकृकी भी विशिष्ट उपस्थिति रही। शिक्षक एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या ने कार्यक्रम में भाग लेकर नशा–मुक्त समाज के निर्माण हेतु अपना सहयोग व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) शशिकांत सिंह ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि नशा किसी भी रूप में व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुँचाता है। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ मानसिक संतुलन को कमजोर करते हैं, निर्णय क्षमता को प्रभावित करते हैं और युवा शक्ति को गलत दिशा में ढकेलते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशामुक्त रहें और

समाज को भी नशे के विरुद्ध जागरूक करें, क्योंकि स्वस्थ युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशे से उत्पन्न सामाजिक एवं आर्थिक परिणामों तथा नशा छोड़ने के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने यह भी बताया कि नियमित व्यायाम, सकारात्मक सोच, उचित संगति, परिवार का सहयोग तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ परामर्श नशा त्यागने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

अंत में सभी उपस्थित स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, समाज में नशा–मुक्ति का संदेश फैलाने तथा अधिकाधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ने की शपथ ली। यह शपथ संकाय सदस्यों की उपस्थिति में

## नशामुक्ति शपथ ग्रहण

नशामुक्ति अभियान में स्वयंसेवकों को शपथ ग्रहण कराते कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार पटेल

**दिनांक : 18 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत "नशा मुक्ति शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन इकाई के स्वयंसेवक विष्णु अग्रहरि द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, उनके सामाजिक–आर्थिक परिणाम तथा नशा त्यागने हेतु अपनाए जाने वाले सकारात्मक उपायों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नशा–मुक्ति विषय पर प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि नशा शुरुआत में छोटी आदत लग सकता है, लेकिन समय के साथ यह व्यक्ति के स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशा न केवल व्यक्ति को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी बाधक होता है।

इस अवसर पर नशामुक्ति जागरूकता को प्रभावी बनाने हेतु एक प्रेरणादायक शायरी भी प्रस्तुत की गई "जिंदगी को रोशन रखना है तो नशे से दूरी बनाओ, सपनों को सच करना है तो खुद को पहचानो और आगे बढ़ाओ। नशा नहीं समाधान है, जीवन का सबसे बड़ा नुकसान है, नशा छोड़कर ही बनेगी, एक स्वस्थ और सुंदर पहचान है।"

कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं से आत्म–संकल्प, सकारात्मक संगति, योग–ध्यान, पारिवारिक सहयोग तथा आवश्यकता पड़ने पर पेशेवर परामर्श लेने की अपील की। संदेश का सार यह रहा कि नशा–मुक्त समाज ही सुरक्षित, स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव है।

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों ने नशा–सेवन से पूर्णतः दूर रहने, समाज में नशा–मुक्ति जागरूकता फैलाने तथा अधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ने की शपथ ली। यह शपथ स्वयंसेवक विष्णु अग्रहरि द्वारा दिलाई गई।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नशा–मुक्त समाज के निर्माण हेतु सतत प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नशामुक्ति भारत अभियान पर स्वयंसेवकों को जागरूक करतीं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मी झॉ

दिनांक : 18 नवम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत "नशा मुक्ति शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम" का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका नम्रता द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) ुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकायय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झाय संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, उनके सामाजिक–आर्थिक परिणाम तथा नशा त्यागने हेतु अपनाए जाने वाले सकारात्मक उपायों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। स्वयंसेवक राहुल दुबे ने नशा–मुक्ति विषय पर विस्तारपूर्वक प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि नशा प्रारंभ में भले ही जिज्ञासा, मित्र–दबाव या तनाव के कारण एक छोटी आदत के रूप में शुरू होता है, किंतु इसका परिणाम अत्यंत विनाशकारी होता है। नशीले पदार्थ शरीर की महत्वपूर्ण कार्यप्रणालियों को क्षति पहुँचाते हैं, मानसिक असंतुलन उत्पन्न करते हैं तथा व्यक्ति की निर्णय क्षमता को कमजोर कर देते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करता है।

श्री दुबे ने युवाओं को आत्म–संकल्प, अनुशासित जीवनशैली, सकारात्मक संगति, योग–ध्यान, पारिवारिक सहयोग तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय/मनोवैज्ञानिक परामर्श लेने हेतु प्रेरित किया। उनके संदेश का मुख्य सार यह था कि नशा–मुक्त समाज एक स्वस्थ, सुरक्षित और प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला है।

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों ने नशा–सेवन से पूर्णतः दूर रहने, समाज में नशा–मुक्ति जागरूकता फैलाने तथा अधिकाधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ने की शपथ ली। यह शपथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा द्वारा सभी प्रतिभागियों को दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने यह संकल्प लिया कि वे नशीले पदार्थों के उपयोग, प्रचार या किसी भी प्रकार के समर्थन से स्वयं को दूर रखेंगे तथा समाज को नशा–मुक्त बनाने में सक्रिय योगदान देंगे।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नशा–मुक्त समाज के निर्माण हेतु सतत प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## नशा मुक्त भारत अभियान

## राष्ट्रीय सेवा योजना

तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक सस्थान हेतु संकल्प लेते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

**दिनांक : 18 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ के निर्देशानुसार विभिन्न संकायों एवं सभी इकाइयों के संयुक्त सहयोग से "तमाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान" एवं "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत एक व्यापक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जीवन एवं स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, चिकित्सा संकाय, नर्सिंग, फार्मेसी, कृषि, विज्ञान, मानविकी, प्रबंधन, शिक्षा तथा अन्य सभी विभागों के विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए और पूरे परिसर को पूर्णतः तंबाकू एवं नशामुक्त बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में नशे एवं तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रेरणा प्रदान करना था। शपथ के दौरान सभी प्रतिभागियों ने यह प्रतिबद्धता व्यक्त की कि वे न तो तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, शराब या किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन करेंगे और न किसी अन्य व्यक्ति को करने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि विश्वविद्यालय परिसर में नशे और तंबाकू से संबंधित कोई गतिविधि नहीं होने देंगे तथा परिसर को पूरी तरह नशामुक्त बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। सभी संकायों में एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने यह दृढ़ निर्णय व्यक्त किया कि वे समाज में नशा मुक्ति के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने में सक्रिय रहेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने हेतु प्रेरित करेंगे। यह शपथ ग्रहण केवल एक औपचारिक आयोजन न होकर विद्यार्थियों के आत्मानुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। प्राध्यापकों ने शपथ सत्र में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एवं तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्तिगत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि शिक्षा, पारिवारिक जीवन, सामाजिक संबंधों तथा कार्य क्षमता पर भी अत्यंत नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि उन्हें एक सशक्त, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना भी उसका लक्ष्य है। तंबाकू एवं नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित यह सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का परिचायक है जिसके अंतर्गत वह अपने परिसर को स्वस्थ, अनुशासित, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशामुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब शैक्षणिक संस्थान स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें, और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय इसी दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवा देश की भविष्य की नींव हैं, और उनका स्वस्थ, सशक्त एवं नशामुक्त होना राष्ट्र निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता डॉ सुनील सिंह,डॉ. शशिकांत सिंह डॉ.डी. एस,अजीथा,डॉ तरुण श्याम सभी विभागाध्यक्षों, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं समस्त कार्यक्रम अधिकारियों तथा संबंधित शिक्षक उपस्थित रहे द्य समापन पर सभी ने यह दृढ़ संकल्प लिया कि वे स्वयं नशामुक्त रहेंगे, अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे तथा परिसर एवं समाज को पूर्णतः नशामुक्त बनाने में सक्रिय योगदान देंगे।

GPS Map Camera
Sonbarsa, Uttar Pradesh, भारत
Arogyadham, Balapar, Road, Sonbarsa, Uttar Pradesh
273007, भारत
Lat 26.833681° Long 83.356226°
मंगलवार, 18/11/2025 05:06 PM GMT +05:30
Google

## राष्ट्रीय शिविर हिमांचल प्रदेश

## राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेवक आशीष दुबे, अविनाश, नंदिनी, सौरभ, काव्याजंलि कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार जी

**दिनांक : 23 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों के स्वयंसेवकों का चयन भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी युवा एवं खेल सम्बन्ध संस्थान, पोंग डैम केन्द्र, हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर हेतु किया गया है। चयनित स्वयंसेवकों में माता शबरी इकाई के स्वयंसेवक अशीष दूबे, शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक अविनाश, आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका नंदिनी सौरभ, काव्यांजलि गौतम तथा शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार शामिल हैं। आज से प्रारम्भ होने वाला यह साहसिक शिविर में स्वयंसेवको को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों– अनुशासन, सेवा, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के बारे में सीखने डीके अवसर प्राप्त होगा।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि, "साहसिक शिविर में सहभागिता युवा शक्ति में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाती है। हमारे स्वयंसेवकों का यह चयन विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करेंगे।" विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, "राष्ट्रीय सेवा योजना निरन्तर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित कर रही है।"

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "साहसिक शिविर से स्वयंसेवकों में अनुशासन, टीमवर्क एवं सेवा भावना का व्यापक विकास होता है। हमारे स्वयंसेवक सदैव उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिचय देते आए हैं, और यह चयन उनके परिश्रम एवं समर्पण का परिणाम है।" उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवाओं को सेवा, राष्ट्रनिर्माण और नेतृत्व हेतु प्रेरित करना है, तथा ऐसे अवसर उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होते हैं। अंत में, विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सभी चयनित स्वयंसेवकों के उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

एडवेंचर शिविर में प्रतिभाग महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक

दिनांक : 24 नवम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक इन दिनों हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले स्थित Regional Water Sports Center, Pong Dam में आयोजित एडवेंचर कैंप में भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक प्रतिदिन विभिन्न कौशल–विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। इसी क्रम में आज प्रथम दिवस प्रातःकालीन योग एवं स्विमिंग प्रशिक्षण सत्र अत्यंत अनुशासित, सफल और ऊर्जा से भरपूर रहा।

सुबह 6:00 बजे स्वयंसेवक निर्धारित वेशभूषा में परेड ग्राउंड में एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरुआत वार्म–अप और स्ट्रेचिंग से हुई, जिसके पश्चात सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया गया। योग सत्र में सूर्य नमस्कार, अनुलोम–विलोम, कपालभाति, ताड़ासन, भुजंगासन और ध्यान का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों द्वारा प्रत्येक आसन की सही विधि, वैज्ञानिक महत्व और स्वास्थ्य लाभों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

यह सत्र स्वयंसेवकों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ।

योग सत्र के उपरांत स्वयंसेवक स्विमिंग प्रशिक्षण क्षेत्र पहुँचे, जहाँ स्विमिंग का विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का संचालन इंचार्ज श्री राकेश सिंह, तथा कोच श्री दीपक सिंह और सुश्री कविता सिंह द्वारा किया गया।

प्रशिक्षकों ने फ्लोटिंग, ब्रीदिंग कंट्रोल, पैडलिंग एवं फ्रीस्टाइल स्विमिंग जैसी मूलभूत तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए सुरक्षित प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा उपायों–जैसे लाइफ जैकेट, लाइफ गार्ड की उपस्थिति तथा गहराई अनुसार समूह विभाजन–का पालन करते हुए अभ्यास कराया गया।

विश्वविद्यालय की स्वयंसेवक काव्यांजलि गौतम, नंदिनी सौरभ, आशीष दुबे और अविनाश ने अत्यंत उत्साह और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया। कई स्वयंसेवकों के लिए यह स्विमिंग का पहला अनुभव रहा, जिसे उन्होंने अत्यंत सीखपूर्ण और प्रेरणादायक बताया।

प्रशिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी। आज के पूरे प्रशिक्षण सत्र में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के जीवन में सेवा, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करती है। ऐसे एडवेंचर कैंप न केवल नेतृत्व कौशल, टीमवर्क और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को प्रकृति और साहसिक गतिविधियों के प्रति जागरूक भी बनाते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल ने आज आयोजित योग एवं स्विमिंग गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि "एडवेंचर कैंप का प्रत्येक सत्र स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास और कौशल उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्वविद्यालय सदैव ऐसे समग्र विकासकारी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता रहेगा।" महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के छै स्वयंसेवक आगामी दिनों में भी विभिन्न साहसिक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लेते हुए विश्वविद्यालय और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करते रहेंगे

# द्वितीय एकदिवसीय शिविर

जन–जागरूकता करते माता अनुसुईया के स्वयंसेवक

**दिनांक : 30 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम बैजनाथपुर में द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को विविध सामाजिक मुद्दों पर जागरूक करना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी व्यवहारों में सुधार लाना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार स्वयंसेविकाओं को पाँच समूहों में विभाजित कर विषयानुसार जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं।

प्रथम समूह की स्वयंसेविकाएँ– नेहा कुमारी, खुशबू, पूनम भारती, गुड़िया सिंह, सालिनी गुप्ता एवं अन्य सदस्यों ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

समूह द्वारा नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रस्तुति एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों तथा आत्मनिर्भरता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने इस पहल को अत्यंत प्रेरणादायी और उपयोगी बताया।

'द्वितीय समूह की स्वयंसेविकाएँ– हर्षिता मिश्रा, सम्मी, अनुष्का यादव, मुस्कान कुमारी, शिखा यादव एवं अन्य द्वारा नशा मुक्ति अभियान पर केंद्रित जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। पोस्टर प्रदर्शन एवं प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समूह ने मद्यपान, तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी ग्रामीणों को दी। स्वयंसेविकाओं ने उपस्थित युवाओं को नशा–मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति सतर्क किया।

तृतीय समूह की स्वयंसेविकाएँ– साधना चौधरी, रिचा भारती, सिंका, रुचि गुप्ता, काजल कनौजिया, अर्चना वरुण एवं रागिनी यादव द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। समूह ने घर एवं आसपास की स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, कचरा प्रबंधन तथा संक्रामक बीमारियों की रोकथाम पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारियाँ ग्रामीणों तक पहुँचाईं। स्वच्छता रैली एवं सफाई गतिविधि के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

चतुर्थ समूह की स्वयंसेविकाएँ– संध्या कुमारी, बबली शर्मा, लक्ष्मी, शीतल शर्मा, नित्या राय, मिनाक्षी श्रीवास्तव एवं प्रतिमा पासवान ने महिला स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समूह ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित आहार, प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल तथा सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। ग्रामीण महिलाओं ने इस सत्र को अत्यंत लाभकारी बताया।

पंचम समूह की स्वयंसेविकाएँ– प्रिया राज यादव, सोनाली पाण्डेय, श्वेता शुक्ला, अम्बालिका यादव, निधि यादव एवं अन्य सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर जागरूकता अभियान चलाया। समूह ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त परिवेश, जैविक अपशिष्ट प्रबंधन तथा पर्यावरणीय सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव ग्रामीण समुदाय को प्रदान किए।

शिविर में ग्रामीणों की उपस्थिति उत्साहजनक रही। ग्राम प्रधान द्रौपदी देवी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन ग्रामीण विकास एवं जनजागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है।

इस एकदिवसीय शिविर का आयोजन माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के सक्षम नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयंसेविकाओं के कार्य, अनुशासन एवं समाज सेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवा शक्ति

को राष्ट्र एवं समाज के प्रति संवेदनशील बनाना है, और यह शिविर उसी उद्देश्य की पूर्ति का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हुआ।

देवी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन ग्रामीण विकास एवं जनजागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय शिविर में प्रतिभाग करती माता अनुसुईया इकाई की स्वयंसेविकाएं

# राष्ट्रीय कैडेट कोर

## राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्यशाला विजयकंडा

विजयवाडा शिविर में चयनित सीनेट विकास यादव, ले0 कर्नल अभिषेकमान सिंह के साथ

## राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक : 07 नवम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी कैडेट सार्जेंट विकास यादव ने एक बार फिर विश्वविद्यालय और गोरखपुर का नाम रोशन किया है।

हाल ही में लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद, विकास यादव का चयन राष्ट्रीय कैंप विजयवाड़ा आंध्रप्रदेश के लिए हुआ है। यह चयन उत्तर प्रदेश निदेशालय के कुल 110 कैडेट्स में से मात्र 10 कैडेट्स में हुआ है, जिसमें गोरखपुर मुख्यालय से 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के सार्जेंट विकास यादव का चयन सृजन नवाचार प्रोजेक्ट पर हुआ ।

102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने सार्जेंट विकास यादव का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और 102 यू पी बटालियन दोनों के लिए ये सौभाग्य का विषय है कि कैडेट विकास ने अपने नवाचार प्रोजेक्ट से शीर्ष 10 में चयनित हुए है जो गोरखपुर मुख्यालय के साथ उत्तर प्रदेश का भी प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय शिविर में करेंगे।

10 नवंबर से आंध्रप्रदेश, विजयवाड़ा में शुरू हो रहे प्रतियोगिता के लिए विकास 8 नवंबर से यात्रा शुरू करेंगे ।

कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सार्जेंट विकास यादव को स्टार्टअप कार्यशाला में चयन होने पर शुभाशीष देते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अपने अथक परिश्रम और कुशल नेतृत्व से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्ण विश्वास है विकास कार्यशाला में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्यशाला में कैडेट सार्जेंट का चयन उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि प्रदेश के लिए भी प्रेरणा है कि एनसीसी कैडेट्स हर क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

सप्ताह भर चलने वाले इस राष्ट्रीय कैंप में चयनित कैडेट्स अपने–अपने निदेशालय का प्रतिनिधित्व करेंगे और विभिन्न चरणों में स्टार्टअप आइडिया प्रेजेंटेशन, वर्कशॉप, मार्केटिंग, फंडिंग और अंतिम प्रस्तुति में भाग लेंगे।

सार्जेंट विकास यादव के चयन पर ब्रिगेडियर परिमल भारती , अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ डी एस अजीथा, प्रो सुनील सिंह, डॉ शशिकांत सिंह ,डॉ विमल दुबे , डॉ रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दिया।

आर्मी अटैचमेंट शिविर में चयनित कैडेट संग प्राचार्य गुरू एवं ए.एन.ओ.

## वंदे मातरम् 150 वी वर्षगांठ

## राष्ट्रीय कैडेट कोर

वंदे मातरम् का सामुहिक गायन करते एन.सी.सी. कैडेट

दिनांक : 14 नवम्बर, 2025। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वीं वर्षगाँठ पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू पी बटालियन के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन करके वन्देमातरम का जयघोष किया।

कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह ने कहा कि वन्देमातरम अमर राष्ट्रगीत के रूप में स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। यह भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना का चिरस्थायी प्रतीक है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के उत्कृष्ट संगम के रूप में उभरता हुआ संस्थान है। यहाँ नियमित रूप से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल छात्रों में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है, बल्कि उनमें राष्ट्रभक्ति, सामुदायिक भावना और संस्कारित नेतृत्व का विकास करना भी है। कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक आयोजन के रूप में सामने आया।

कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय लिखित और रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध राष्ट्रगीत देश की सभ्यतागत, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग बन चुका है। शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करने के उद्देश्य से एन .सी .सी के अनुशासन, एकता और संगठनात्मक क्षमता को विकसित करना है। 'वन्देमातरम' भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणा—गान रहा है। इसकी प्रत्येक पंक्ति राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम, त्याग और मातृभूमि का गौरव प्रस्तुत करती है।

कार्यक्रम की शुरुआत में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह, अंडर ऑफिसर अभिषेक चौरसिया, सार्जेंट विकास यादव, सार्जेंट अतीका तिवारी के नेतृत्व में हुआ। कैडेट्स ने अनुशासनबद्ध पंक्तियों में खड़े होकर सामूहिक गायन किया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत में 'वन्देमातरम' के इतिहास, साहित्यिक महत्त्व तथा राष्ट्रीय आंदोलन में इसकी भूमिका पर संक्षिप्त परिचर्चा की गई, जिससे कैडेटों को गीत के महत्व को समझने का अवसर मिला। गायन के समय कैडेटों ने एक साथ दृढ़ आवाज में राष्ट्रभक्ति से ओत—प्रोत स्वर निकाले। 'वन्देमातरम, सुजलाम् सुफलाम्३' की गूंज विश्वविद्यालय परिसर में गूँज उठी।

वन्देमातरम गायन में प्रमुख रूप से कैडेट आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय, विपिन कुमार कनौजिया, आलोक दीक्षित,अनुभव,शिखर पाण्डेय ,कृष्ण चन्द्र, उजाला सिंह ,जागृति प्रजापति , पार्वती सहनी खुशी यादव,अनुराधा, आकांशा यादव, चांदनी निषाद, आंचल पाठक, नैंसी श्रीवास्तव,सोहनी साहनी, आर्य कुशवाहा, अंजलि चौरसिया, प्रीति पांडे, अंशिका जायसवाल, आकांशी राय, दीप्ति सिंह, आस्था यादव, अंकिता यादव, शनि, प्रवेन्द्र कृष्ण, शुभम सिंह, दिव्यांश सिंह, अमित कुमार गुप्ता ,अवनीश गोंड, यादवेन्द्र गोस्वामी, उत्कर्ष ओझा, आदित्य कुमार, अवधेश नंद गिरि, सत्यप्रकाश साहनी ,समग्र चंद्र, सिद्धार्थ दुबे, विशाल पाण्डेय, आदित्य सिंह उपस्थित रहें।

# आर्मी अटैचमेंट शिविर

आर्मी अटैचमेंट शिविर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करते कैडेट्स

**दिनांक :** 19 नवम्बर, 2025। राष्ट्रीय कैडेट कोर के गोरखपुर मुख्यालय द्वारा ग्यारह बटालियनों के चयनित 24 कैडेट्स आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर में गोरखा रायफल्स के कुशल प्रशिक्षकों की देख रेख में सैन्य नेतृत्व का गुण सीख रहे हैं। लखनऊ कैंट स्थित 6/11 गोरखा राइफल्स में चल रहे दस दिवसीय आर्मी अटैचमेंट कैंप में गोरखपुर ग्रुप के 24 एनसीसी कैडेट्स ने पिछले कुछ दिनों में सैन्य जीवन, अनुशासन, नेतृत्व, तकनीक और टीमवर्क से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए।

शिविर में 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कैडेट्स को सर्विस से पहले स्वयं के मंत्र से प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि यह शिविर केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा की भावना का संस्कार स्थल है।

भारतीय सेना की वास्तविक कार्यप्रणाली, अनुशासन और जिम्मेदारियों को प्रत्यक्ष रूप से कैडेट शिविर में सैन्य जीवन अनुभव करते हैं। 6ध11 गोरखा रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जे. पी .सिंह ने कहा कि सैनिक जीवन में केवल शारीरिक शक्ति ही आवश्यक नहीं होती, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास, संयम और अनुशासन भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

'ग्रुप मूवमेंट' और 'सिंक्रोनाइज्ड ड्रिल' से सैनिक अकेले नहीं लड़ता वह अपनी टुकड़ी के साथ, अपने राष्ट्र के लिए भी लड़ता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन के साथ प्रशिक्षण ग्रहण किया है जिससे राष्ट्र सेवा के लिए भविष्य में स्वर्णिम इतिहास रचेंगे।

एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य कैडेट्स को सैनिक चेतना से परिचित कराना है। यहाँ सुबह की परेड से लेकर फील्ड क्राफ्ट, मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग, पी. टी, टैक्टिकल मूवमेंट और ग्राउंड डेमोंस्ट्रेशन जैसे विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

यह प्रशिक्षण केवल अभ्यास भर नहीं है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को मजबूत करने वाला जीवनदृमूल्य है। हवलदार अर्जुन सिंह ने कहा कि कैडेट्स का कठिन अभ्यास आने वाले समय में धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और कर्तव्य–बोध को मजबूत करेगा।

सैन्य प्रशिक्षण में कैडेट्स को फिजिकल फिटनेस, आधुनिक हथियारों का अध्ययन और सैन्य इतिहास, की गतिविधियों के साथ किरांत म्यूजियम , स्मृतिका शहीद स्मारक में देश पर बलिदान योद्धाओं की अमर गाथा का दर्शन कराया गया।

आर्मी अवेयरनेस क्लास में नायब सूबेदार दीपेश गुरूंग ,हवलदार रूपेन लिम्बू, सुबेदार विकास तामांग, हवलदार शिवम थापा ,एन.सी.ओ. इंद्रा प्रकाश राय ने उन्नत ड्रिल, सैन्य तकनीक, नेतृत्व क्षमता का अभ्यास कराया । कैंप सीनियर अरुण विश्वकर्मा और कुलदीप पटेल ने शिविर के दायित्व को पूर्ण किया। शिविर में प्रमुख रूप से अभिषेक मिश्रा, सूरज कुमार, अनूप सिंह, सोहित पटेल, प्रकाश यादव, सतीश कुमार, मुकुंद कुमार, अंकित शर्मा, दिग्विजय सिंह, विद्यासागर यादव, श्यामानंद यादव, आकाश मौर्या, विवेक मिश्रा, पवन यादव, अम्बरीष यादव, अखंड चौरसिया, मुकेश, शुभम कुमार, कुलदीप मिश्रा, अमन शर्मा, रघुवीर विश्वकर्मा आदि ने प्रशिक्षण पूरा किया।

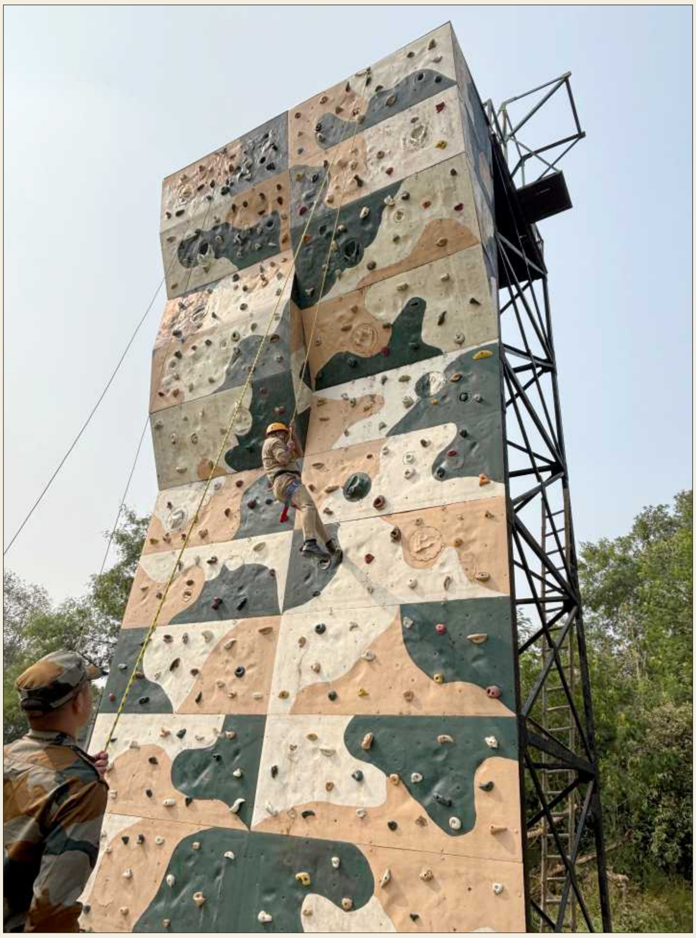

# आमह अटैचमेंट शिविर

# राष्ट्रीय कैडेट कोर

**दिनांक : 09 नवम्बर, 2025।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और तीन कैडेट्स कॉरपोरल अरुण विश्वकर्मा, कार्पोरल्ब अभिषेक मिश्रा एवं सूरज कुमार आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर लखनऊ में गोरखपुर मुख्यालय का नेतृत्व करेंगे। सैन्य प्रशिक्षण पर केंद्रित आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शिविर 10 से 20 नवम्बर 2025 तक आयोजित होगा।

यह जानकारी देते हुए एएन ओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स को सेना के अधिकारियों एवं सैनिकों के साथ अनुशासन एवं प्रशिक्षण पद्धतियों को नज़दीक से समझने का अवसर मिलेगा। कैडेट्स को वेपन्स ट्रेनिंग, ड्रिल, मैप रीडिंग, स्पोर्ट्स, तथा विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण कैडेट्स में सैन्य सेवा का भाव जागृत करेगा।

इस शिविर का नेतृत्व कर रहे एसोशिएट एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव निरंतर कैडेट्स को सैन्य सेवा के लिए प्रेरित कर भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यह शिविर न केवल अनुशासन, नेतृत्व और सामूहिकता की भावना को विकसित करता है, बल्कि आपको भारतीय सेना के गौरवशाली जीवन से निकटता से जोड़ने का अवसर भी प्रदान करता है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से कैडेट्स सेना के कार्यसंस्कार, शारीरिक दक्षता, आत्मनिर्भरता, और टीम भावना जैसे अमूल्य गुणों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हैं। सेना में अनुशासन केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना उत्पन्न करता है। शिविर के प्रत्येक सत्र में सक्रिय भागीदारी कर अपने भीतर एक सच्चे देशभक्त, अनुशासित नागरिक और भविष्य के नेता के गुणों का विकास करें।

लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के गोरखपुर मुख्यालय के ब्रिगेडियर परिमल भारती, 102 यू पी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने आर्मी अटैचमेंट प्रशिक्षण शिविर का दायित्व प्रेरणा दिया है उनका मार्गदर्शन एन सी सी के युवाओं को सैन्य सेवा के संकल्प के लिए प्रेरित करेगा। इस शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से कॉरपोरल अरुण विश्वकर्मा, अभिषेक मिश्रा और सूरज कुमार का चयन हुआ है जो इस शिविर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे। चयनित कैडेट्स अभिषेक मिश्रा और सूरज कुमार फार्मेसी विभाग से और अरुण विश्वकर्मा पैरामेडिकल विभाग से हैं।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह एवं पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य रोहित श्रीवास्तव ने भी कैडेट्स को आशीर्वाद प्रदान करते हुए निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं देशसेवा के मार्ग पर अग्रसर रहने हेतु प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तवए डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रो. सुनील सिंह, डॉ. विमल दुबे, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय कैडेट कोर

## सम्पादक

**डॉ. अखिलेश कुमार दूबे**

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

## सह सम्पादक

**लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव**

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

### ग्राफिक्स एवं डिजाइन

**श्री शारदानन्द पाण्डेय**


### प्रकाशक

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in